मुझे भी है शिक्षा का अधिकार

नमस्ते, क्या आप हमारी बेटियों के जीवन में पढ़ाई के महत्व के बारे में एक कहानी सुनना चाहेंगे?

मेरी माँ मुझे पढ़ाने के सपने को पूरा करने के लिए सब से लड़ीं। लोग उन से पूछते थे कि वे मुझे लड़कों के साथ स्कूल क्यों भेज रही थीं?

बहन, जब मेरे पति की नौकरी छूट गई थी, तो मुझे मज़दूरी करनी पड़ी। हम पढ़ नहीं सकते, इस लिए साहूकार ने हमें धोखा दिया। मैं चाहती हूँ कि मेरी बेटी का जीवन मेरे से अच्छा हो।

उन्होंने मेरी माँ को कहा कि ज़्यादा पढ़ी-लिखी लड़की से कोई शादी नहीं करेगा। फिर उन्हें मुझे सारी उम्र खाना खिलाना पड़ेगा।

मेरे एक सहयोगी अध्यापक ने मुझे शिक्षा का महत्व समझाया-

नहीं, शिक्षा इस को और कामयाब बनाएगी। ये स्वयं का ख़र्च भी सम्भाल सकेगी और अपने जीवन के लिए सही निर्णय भी ले सकेगी।

मैं पढ़-लिख कर शिक्षिका बनना चाहती हूँ। फिर मैं स्कूल में और लड़कियों का दाख़िला करवा सकूँगी।

बारहवीं कक्षा में प्रथम आने पर मुझे पुरस्कार मिला। इस से मुझे कालेज में पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहन मिला।

इस को कालेज के लिए शहर भेज दें! क्या तुम्हारा दिमाग़ ख़राब हो गया है? हमारे परिवार की लड़कियाँ शहर नहीं जाती हैं।

क्या आप हमारी बेटी के लिए एक अच्छी ज़िंदगी नहीं चाहते हैं? ऐसी ज़िन्दगी जिस में शिक्षा के अभाव के कारण कोई इस का फ़ायदा ना उठा सके?

मैं हमारे परिवार की पहली सदस्य बनना चाहती हूँ जो कालेज की डिग्री हासिल करे। नौकरी कर के मैं बुरे समय के लिए बचत कर सकूँगी और अपने बच्चों को भी स्कूल और कालेज भेज सकूँगी।

आशा, याद रखना कि अगर तुम्हारा कोई काम मेरा नाम बदनाम करेगा, तो मैं तुम्हें वापिस ले आऊँगा।

पिता जी, मैं बहुत मेहनत करूँगी और आप को मुझ पर गर्व होगा।

मैं कालेज गई। मैंने डिग्री हासिल की। मैंने अपना सपना पूरा किया।

क्या आप को लगता है कि सभी लड़कियों की कहानी मेरी जैसी होती है?

शिक्षित होने के कारण अब मैं पारिवारिक निर्णयों में हिस्सा लेती हूँ। मैं हमारे बैंक अकाउंट और बचत भी सम्भालती हूँ। मैने धोखेबाज़ दुकानदार के धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करके गाँव वालों को पैसा भी वापिस दिलवाया।

मेरे गाँव की कुछ लड़कियाँ तो कभी स्कूल ही नहीं गयीं।

नहीं, तुम उस की तरह स्कूल नहीं जा सकती। जल्दी तुम्हारी शादी होने वाली है। घर का सारा काम सीख लो। वो तुम्हारे काम आएगा, पढ़ाई नहीं।

क्या आप को मालूम है कि 18 साल से कम उम्र में लड़की और 21 साल से कम उम्र में लड़के का विवाह करना भारतीय क़ानून के ख़िलाफ़ है? बहुत लोगों को इस के बारे में जानकारी नहीं है, यहाँ तक कि मेरे परिवार में भी ऐसा है।

उम्र : 13

जब मेरी ननद 16 साल की थी, मेरी सास उस की पढ़ाई छुड़वा कर उस की शादी करना चाहती थीं। मैने उन्हें समझाया कि पढ़ाई एक जीवन भर की पूँजी है। यह भी कि 18 साल से कम उम्र में लड़की की शादी

आख़िरकार, मेरे पति ने मेरी सास को भी मना लिया। उन्होंने मुझे हमारे गाँव के लोगों से शिक्षा के महत्व पर बात करने को प्रोत्साहित किया।

मैं गाँव वालों से मिली।

हमारे लड़कों के लिए शिक्षा ज़रूरी है।

ये लड़कियों को स्कूल भेजने की बातें मुझे समझ नहीं आतीं।

क्या आप चाहेंगे कि आपकी बेटियाँ पैसे के लिए हमेशा अपने पति पर निर्भर रहें? भगवान ना करे उन के पति को कुछ हो गया, तो बेटी अपना गुज़ारा कैसे करेगी?

हमने पढ़ने-लिखने पर चर्चा की...

मेरे पति और मैं पढ़ लिख नहीं सकते। मेरे पति के भाई ने हमसे एक काग़ज़ पर हस्ताक्षर करवा के, हमारे खेत का हिस्सा अपने नाम कर लिया।

मैं आप को पढ़ना-लिखना सिखा सकती हूँ। क्या आप मेरे घर आएँगीं?

बहुत धन्यवाद बहिन, मैं आऊँगी। और मैं साथ में 4-5 और महिलाओं को भी लाऊँगीं।

हमने सुरक्षा पर चर्चा की ...

नहीं, नहीं.. मैं अपनी बेटी को स्कूल नहीं भेजूँगा। अगर उस के साथ वहाँ कुछ ग़लत हो गया तो मैं बर्बाद हो जाऊँगा।

असल में कुछ ग़लत तो कहीं भी हो सकता है।

हमने घर के काम पर चर्चा की...

...पढ़ाई और शादी के ख़र्च पर भी बात की

मगर मेरी लड़की स्कूल जाएगी, तो घर के काम में मेरी सहायता कौन करेगा?

बहिन, अगर हम घर का काम स्वयं सम्भाल सकें, तो हमारी बेटियों का जीवन हम से बेहतर होगा। उन्हें सिर्फ़ घर के काम तक सीमित नही रहना पड़ेगा।

पर रुको, मैं अपनी बेटी की पढ़ाई पर पैसा क्यों ख़र्च करूँ? मुझे उसकी शादी पर भी पैसा ख़र्च करना होगा।

भाई साहिब, शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत, 14 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए शिक्षा निशुल्क और अनिवार्य है।

हम अपने मुद्दे स्कूल के प्रिन्सिपल के पास ले गए।

हम स्कूल को और अच्छा बनाने के लिए क्या कर सकते हैं?

बहुत धन्यवाद। हम यही चाहते हैं कि आप अपने बच्चों को रोज़ स्कूल भेजें और कृपया पंचायत से स्कूल के शौचालयों की मरम्मत करवाने के लिए कुछ राशि देने को कहें।

हम ने उन्हें बताया कि हम ऐसा ज़रूर करेंगे। हमारे बच्चों की प्रगति के बारे में चर्चा करने के लिए, हम ने अध्यापकों के साथ नियमित बैठक की भी माँग की।

और फिर हम पंचायत के सदस्यों से मिले...

...और मैं गाँव की प्रौढ़ महिलाओं और पुरुषों को पढ़ना-लिखना सिखाने लगी।

मेरी ननद अपनी पढ़ाई क़ायम रख सकीं, इस लिए आज वे नर्स बन गई हैं।

शहनाज़ अब अपने पति की दुकान के सारे दस्तावेज़ सम्भालती है। उन्हें अभी दूसरी दुकान खोलने के लिए लोन मिला है, और शहनाज़ उस दुकान को स्वयं चलाएँगी।

और अवतार सिंह ने बेटी की शादी के लिए जोड़े पैसे, उस के कालेज की फ़ीस पर ख़र्च कर दिए। आज वे अपने निर्णय पर गर्व महसूस करते हैं।

शोध के अनुसार लड़कियों को पढ़ाने से बाल विवाह कम हो जाते हैं और परिवार के स्वास्थ्य और आमदनी में वृद्धि होती है। शिक्षा से परिवार और गाँव दोनो की तरक़्क़ी होती है।

शिक्षा से हमारी लड़कियों की आत्म-निर्भरता बढ़ती है। इस लिए हमारी सरकार ने भी लड़कियों की शिक्षा को बढ़ाने के लिए कई योजनाएँ निकाली हैं।